बाड़मेर की पेयजल आपूर्ति की तीन मांगों पर मिली स्वीकृति

बाड़मेर, (नि.सं.)। बाडमेर शहर, सेना, सीमा सुरक्षा बल और ग्रामीण इलाकों में नियमित पेयजल वितरण और पेयजल की मांग को लेकर आ रही तीन बड़ी परेशानियों के स्थायी समाधान की राह अब निकल गई हैं।

बाड़मेर में पेयजल वितरण के सुधार अब तक सबसे बड़े व्यवधान के रूप में आ रहे तीन बड़े मामलों पर जल्द राहत मिलने के साथ हजारों परिवारों, सेना और सीमा सुरक्षा बल को निर्बाध पेयजल उपलब्ध होगा। इसके लिए विभिन्न स्तरों से पत्राचार लंबे समय से किया जा रहा था। विभिन्न बैठकों में भी अधिकारियों को अवगत करवाया गया है। इन तीन समस्याओं में पहली समस्या बाड़मेर लिफ्ट पेयजल परियोजना के मोहनगढ पम्प हाउस पर आवश्यकता अनुरूप वोल्टेज नही होने के कारण सभी पंप नही चल पाने की ह।

जिसके चलते पानी वर्तमान मांग 125 एमएलडी की जगह 105 एमएलडी ही मिल पाता है और शहर और ग्रामीण क्षेत्रो में जलापूर्ति पूरी तरीके से नही हो पाती।

दूसरी बाड़मेर के कुम्हारों की ढाणी में तत्कालीन डिजाइन डिमांड अनुसार 26 एमएल क्षमता का स्वच्छ जलाशय दो भागों में विभाजित का निर्मित किया गया था। जिसका एक भाग 13 एमएल क्षमता बीते लंबे समय से क्षितठास्त अवस्था में होने के कारण अनुपयोगी है। जिसके कारण विद्युत व्यवधान होने पर परियोजना की राइजिंग लाइन खाली हो जाने के कारण कुछ घण्टे के व्याधान को पुन: चालू करने में 16 से 18 घण्टे लग जाते थे। इस क्षितठास्त जलाशय के मरम्मत और नव निर्माण की मांग की गई थी।

वही कुम्हारों की ढाणी में स्थित 26 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय से ठोविटी से बाड़मेर शहर के सर्किट हाउस के पीछे जीरो पॉइंट स्थित 17 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय जलापूर्ति होती है।

मोहनगढ पंप हाउस पर आवश्यक अनुरूप वोल्टेज नहीं मिलने के कारण बार-बार विद्युत ट्रिपिंग एवं विद्युत फाल्ट होने के कारण जीरो पॉइंट स्थित उच्च जलाशय की मांग अनुसार जल प्राप्त नही होता है। इस वजह से बाड़मेर शहर बाड़मेर लिफ्ट पेयजल परियोजना पार्ट अ,ब,स में लाभान्वित गांव की मांग के अनुसार पंपिंग नहीं हो पता है।

तृतीय मांग में एक दिन की पेयजल मांग 50 एमएल क्षमता के स्वच्छ जलाशय की आवश्यकता बताई थी।

बाड़मेर शहर एवं परियोजना से जुड़े गांवों में नियमित मांग अनुरूप जलापूर्ति के लिए मोहनगढ पंप हाउस पर वोल्टेज सुधार के लिए वोल्टेज रेगुलेटर संबंधित मुख्य अभियंता जयपुर को प्रेषित प्रस्ताव की स्वीकृति को लेकर शासन सचिव के स्तर से निर्देश जारी करने और बाद में लिफ्ट परियोजना जीरो पॉइंट पर 50 एमएल क्षमता के शुद्ध जलाशय की स्वीकृति प्रदान करने के लिए मांग की थी।

पिछले महीने बाड़मेर के प्रभारी सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में विभाग द्वारा इन तीन मांगो के बारे में बताने पर प्रभारी सचिव के निर्देशानुसार जिला कलेक्टर बाड़मेर द्वारा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के शासन सचिव को एक पत्र लिखा गया था।

जिला कलेक्टर के इस पत्र को शासन सचिव ने बेहद गम्भीरता से लेते हुए मुख्य अभियंता परियोजना को पत्र लिखकर मांगो को पूरा करने के लिए कहा गया जिस पर मुख्य अभियंता ने मोहनगढ में वोल्टेज की समस्या के निराकरण के लिए दोनो पम्प हाउस पर 33 के वी वोल्टेज स्टेबिलाइजर लगाने के लिए रुपए 3.50 करोड़ का प्रस्ताव भेजा गया है।

कुम्हारों की ढाणी के क्षतिग्रस्त उच्च जलाशय के लिए निर्माण कर्ता कम्पनी एल एंड टी को निर्देशित किया गया है और उसकी टीम ने जलाशय का दौरा किया।

वही बाड़मेर में वर्तमान में 17 एम एल क्षमता का स्वच्छ जलाशय निर्मित है जोकि बाड़मेर में आधे दिन जल की मांग के अनुरूप है। उसकी जगह बाड़मेर में कम से कम दो दिन की मांग क्षमता का जलाशय निर्माण हेतु प्रस्ताव बनाने जा आंकलन किया जा रहा है। इन तीनो गम्भीर मांगो की पूर्ति के बाद बाड़मेर शहर में पेयजल की समस्या से पूर्णतया मुक्ति मिल जाएगी।

मजदूरों की मौत मामले में फैक्ट्री संचालकों पर मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। बोरानाड़ा क्षेत्र में बारिश के दौरान दीवार ढहने से तीन मजदूरों की मौत के मामले में दो फैक्ट्री संचालकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इधर घायल श्रमिकों का इलाज एम्स जारी है।

डीसीपी पश्चिम राजेश यादव ने बताया कि बोरानाड़ा में हुए हादसे में सुनीता पत्नी दिनेश, नंदू पुत्र मोती मीणा व अंजू पत्नी संजय मीणा की मौत हो गई थी। इस मामले में बोरानाड़ा पुलिस ने न्यू महालक्ष्मी आर्ट व मुकेश टिम्बर आर्ट के मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। गौरतलब है कि सोमवार सुबह बोरानाड़ा क्षेत्र में संचालित होने वाली न्यू महालक्ष्मी टिम्बर आर्ट फैक्ट्री के पीछे की दीवार बारिश के कारण ढह गई थी। इस दीवार के सहारे ही पास की बुरादा फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों ने अपनी झोपड़ियां बना रखी थी, जो दीवार के मलबे में दब गई। इन झोपड़ियों में सो रहे 13 मजदूर गंभीर घायल हो गए थे। इनमें से दो महिला सहित तीन मजदूरों की मौत हो गई थी। वहीं नौ मजदूरों को घायल हालत में हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था।

आदेश के एक साल बाद भी दिव्यांग को नियुक्ति नहीं देने पर हाइकोर्ट गंभीर

जोधपुर, (कासं)। आदेश के एक साल बाद भी दिव्यांग को नियुक्ति नहीं देने पर हाइकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए चार सितंबर तक नियुक्ति नहीं देने पर कॉलेज शिक्षा राजस्थान के आयुक्त को व्यक्तिगत कोर्ट में हाजिर रहने के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा कॉलेज शिक्षा विभाग में सहायक आचार्य (अर्थशास्त्र) के विज्ञापित पदों के विरुद्ध श्रवण बाधित श्रेणी विशेष योग्यजन दिव्यांग हेतु आरक्षित एक पद के लिए अंतिम रुप से चयनित याची सत्यरंजन का नाम आरपीएससी ने कॉलेज शिक्षा विभाग को नियुक्ति हेतु भेज देने के बावजूद नियुक्ति नहीं देने पर राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ में चुनौती दी गई थी।

एकल पीठ ने मई 2023 में रिट याचिका स्वीकार करते हुए आदेश दिया था कि निदेशालय कॉलेज शिक्षा विभाग जयपुर के आयुक्त याचिकाकर्ता को एक दिसंबर 2022 से समस्त नोशनल परिलाभ सहित चार सप्ताह के भीतर नियुक्ति दें।

राज्य सरकार ने दिव्यांग याची को सिर्फ इस आधार पर आरक्षण का लाभ देने से इनकार कर दिया था कि वह कर्नाटक राज्य का रहने वाला है।

एकलपीठ के समक्ष राज्य सरकार की दलील यह रही कि राजस्थान राज्य से बाहर के दिव्यांग को आरक्षित पदों के विरुद्ध नियुक्ति दे देने से भारी अन्याय हो जाएगा तथा दिव्यांग का आरक्षण वर्टीकल (लम्बवत) आरक्षण होने से जाति आधारित आरक्षण के सिद्धांत इसपर लागू होंगे।

याची के अधिवक्ता अधिवक्ता यशपाल खिलेरी ने बताया कि दिव्यांग को प्रदत्त आरक्षण एक सामाजिक उत्थान के रूप में कल्याणकारी कानून अंतर्गत दिया जा रहा क्षैतिज आरक्षण है और राज्य सरकार की ओर से इसे वर्टीकल आरक्षण माना जाना ही गैरक़ानूनी हैं।

जाति आधारित आरक्षण में व्यक्ति का निवास स्थान महत्वपूर्ण होता है लेकिन दिव्यांग को दिए जाने वाले आरक्षण में जाति या समाज का कोई महत्व नहीं होता है। सरकार का कृत्य विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के मूल उद्देश्य और प्रस्तावना के ही प्रतिकूल है। न्यायाधीश विनित कुमार माथुर ने रिट याचिका स्वीकार कर चार सप्ताह में नियुक्ति देने के आदेश दिए थे।

समान प्रकरण में राजस्थान हाइकोर्ट की खण्डपीठ द्वारा राज्य सरकार की अपील दस हजार रुपए की कॉस्ट के साथ ख़ारिज कर देने के बावजूद आज दिन तक नियुक्ति आदेश जारी नहीं करने पर अवमानना याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने इसे गंभीर मानते हुए अगली सुनवाई तिथि तक याचिकाकर्ता को सहायक प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) पद पर नियुक्ति नहीं देने की स्थिति में आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान सरकार जयपुर को न्यायालय के समक्ष व्यक्तिश: उपस्थित रहने के निर्देश दिए। आगामी सुनवाई चार सितंबर को होगी।

रेवदर में स्वतंत्रता दिवस समारोह पर चर्चा की

रेवदर, (नि.सं.)। रेवदर में 15 अगस्त को उपखण्ड स्तर पर 78 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारी हेतु बैठक का आयोजन विकास अधिकारी आवडदान चारण द्वारा किया गया

बैठक में सभी ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित हुए जिनमें नायब तहसीलदार पुखराज रावल, एसीबीईओं पुनमसिंह सोलंकी, राउमावि रेवदर प्राचार्य ओमप्रकाश शर्मा, सहायक अभियंता सा.नि.वि. अर्जुन देवासी, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, व जनप्रतिनिधि अजबाराम रेवदर सरपंच भी उपस्थित हुए जिसमें सभी विभागों को अलग-अलग कार्यों की जिम्मेदारी दी गई। उपखण्ड कार्यालय में प्रात: 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। एवं पैवेलियन में 8:30 बजे ध्वजारोहण किया जायेगा। आयोजन का मुख्य स्थल राउमावि रेवदर का खेल मैदान है तथा वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए स्थान का बदलाव भी किया जा सकता है जो राउमावि रेवदर के विद्यालय परिसर में रखा जायेगा। सभी विभागों से उत्कृष्ट कार्मिकों की सूची मांगी गई जिनका राजकीय व अन्य कार्यों में सराहनीय योगदान रहा हो, जिनकों उपखण्ड स्तर पर सम्मानित किया जाना है। जिसकी अतिंम तिथि उपखण्ड कार्यालय में देने की 12अगस्त रखी गयी है। सभी अधिकारियों को सौंपे गये कार्यों की रिपोर्ट उपखण्ड अधिकारी द्वारा 14 अगस्त को जांची जायेगी।

जनकपुरी में जानकी माता के दर्शन किये

माहेश्वरी महिला मण्डल अध्यक्ष निर्मला सत्यनारायण सूदा के संयोजन में 86 सदस्यों ने नेपाल में जनक की नगरी जनकपुरी में माता सीता व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन किये। फोटो-राष्ट्रदूत

जैसलमेर, (नि.सं.)। माहेश्वरी महिला मण्डल अध्यक्ष निर्मला सत्यनारायण सूदा के संयोजन में 86 सदस्यों ने नेपाल में जनक की नगरी जनकपुरी में माता सीता व अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन किये।

पुष्पा रमेश चांडक से मिली जानकारी के अनुसार सीता मिथिला के नरेश राजा जनक की ज्येष्ठ पुत्री और जनकपुर (नेपाल) की राजकुमारी थीं जो नेपाल और भारत दोनों देश की मिथिला राज्यो पर राज करते थे। इनका विवाह अयोध्या के नरेश राजा दशरथ के ज्येष्ठ पुत्र श्री राम से स्वयंवर में शिवधनुष को भंग करने के उपरांत हुआ था।यात्रा में शामिल कपिल झंवर द्वारा मिली जानकारी के अनुसार जैसेलमेरिया माहेश्वरी समाज के अहमदाबाद, सूरत एवं जैसलमेर के महिला पुरुषों में छप्पनी घनश्याम केला, मीना जयप्रकाश चांडक, रानी राधेश्याम मालपानी, हरिवल्लभ घूरका, किशोरीलाल झंवर, मदनलाल मल, राधेश्याम राठी, कमलकिशोर सूदा, आनन्द चांडक, त्रिलोक भूतड़ा, जेठमल भूतड़ा सभी सप्तनिक दर्शन यात्रा का लाभ ले रहे हैं 14 दिवसीय यात्रा में इंदु सांवल, सुधा शामिल हैं।

ज्ञात रहे कि प्राचीन काल में राजा जनक के राज्य मिथिलांचल की राजधानी जनकपुर थी, तब सीतामढ़ी भी मिथिलांचल का अंग था। मां सीता का जन्म सीतामढ़ी,बिहार में हुआ और जन्म के पश्चात उन्हें जनकपुर स्थित महल लाया गया। महल आगे चलकर नौलखा मंदिर जानकी मंदिर के नाम से जाना गया।

दर्शनार्थियों का अगला पड़ाव झारखंड का ज्योतिर्लिंग बैजनाथ एवं बिहार का तीर्थ गया होगा।

सैन्य जवान के मकान में चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के माता का थान स्थित ओमनगर में एक सैन्य जवान के मकान में अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर वहां से 9 तोला सोना, 5 तोला चांदी के साथ 15 हजार की नगदी चोरी कर ले गए।

सैन्य जवान छुट्टियों पर घर आया तो पता लगा। जेवरात उसने अपनी भतीजी की शादी के लिए रखे हुए थे। माता का थान पुलिस जांच कर रही है।

माता का थान पुलिस ने बताया कि मूलत: पीपाड़शहर के खारिया खंगार हाल ओमनगर माता का थान निवासी हुकमसिंह पुत्र मदन सिंह ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह भारतीय सेना में कार्यरत है। वह छुट्टियों पर अपने घर आया था। तब पता लगा कि घर के ताले टूटे पड़े है, सामान बिखरा होने के साथ वहां रखे 9 तोला सोने एवं 5 तोला चांदी के जेवरात और 15 हजार की नगदी गायब है। अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर वहां से चोरी की है।

रिपोर्ट में बताया कि जेवरात उसने अपनी भतीजी की शादी के लिए रखे हुए थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब चोरों की तलाश आरंभ की है।

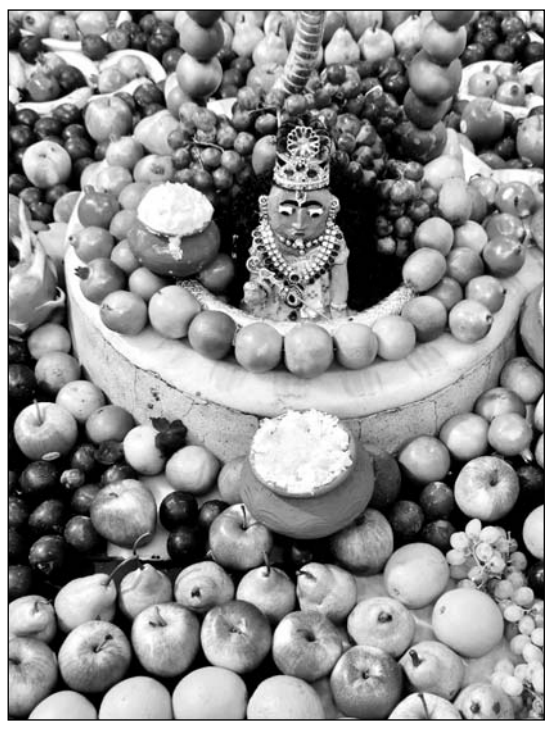

जोधपुर संभाग में सावन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। महादेव मंदिर में फलों से सजावट ी झांकी सजाई।

पुलिस के हाथ लगे मादक पदार्थ तस्कर

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट की साइबर थाना पुलिस महाराष्ट्र में हुई ठगी एवं आईटी एक्ट के प्रकरण में एक मुल्जिम की तलाश में मंडोर के आंगणवा आवासीय योजना की तरफ गई। तब गेट से घुसते समय एक बाइक पर दो संदिग्ध युवको को बाहर निकलते देखा। युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। उन्हें पकड़ा गया और उनके पास रखे दो बैग की तलाशी ली गई। एक बैग में अफीम का दूध, 2.14 लाख रूपए और दूसरे बैग में 18 एटीएम कार्ड, 4 पेन कार्ड और दो आधार मिले। इस पर बाद में दोनों को मंडोर पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। इनके खिलाफ मादक पदार्थ तस्करी एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर लिया गया।

संदेह है कि एक आरोपी बड़ा फ्राडेस्टर हो सकता है। फिलहाल पुलिस इस बारे में तस्दीक में जुटी है। साइबर थानाधिकारी दिनेश डांगी को मुखबिरी सूचना मिली कि महाराष्ट्र के नागोठने रायगढ में हुई ठगी एवं आईटी एक्ट का एक आरोपी मंडोर क्षेत्र में आया हुआ है।

दो वाहनों में भरी अवैध शराब बरामद, 3 आरोपी गिरफ्तार

सायला,(नि.सं.)। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम एवं तस्करों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के एएसपी रामेश्वरलाल एवं वृताधिकारी गौतम जैन के सुपरविजन में सायला थानाधिकारी रामेश्वर भाटी के नेतृत्व मे गठित टीम द्वारा सरहद दहिवा में भारतमाला पर नाकाबंदी के दौरान दो वाहनों में भरी हुई पंजाब निर्मित 101 कार्टन अवैध शराब जब्त की गई तथा मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। बरामद अवैध शराब की अनुमानित बाजार कीमत 8 लाख रूपये है।

पुलिस के अनुसार थानाक्षेत्र के सांगाणा टोलनाका सरहद दहिवा में भारतमाला पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान कीया गाडी में भरी हुई 55 कार्टुन अवैध शराब व बीयर का परिवहन करते हुए 02 आरोपी गिरफ्तार किए गए एवं होण्डा सीटी कार नम्बर एचआर में अवैध रूप से परिवहन की जा रही 46 कार्टन अवैध शराब व बीयर जब्त कर 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

गौरतलब है कि गत 21 जुलाई 2024 को थाना सायला पर वाहन संख्या जेटा कार से पंजाब निर्मित अवैध शराब जब्त की गई थी। जिसके अनुसंधान में यह शराब नरेश कुमार पुत्र गजानन्द जाति जाट निवासी बिजाणा तोसम जिला भिवानी हरियाणा द्वारा परिवहन करना पाया गया था। जिस पर पुलिस अधीक्षक जालोर द्वारा आरोपी की दस्तयाबी एवं अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही के लिए सायला थानाधिकारी रामेश्वर भाटी मय टीम के भिवानी, पंजाब, हरियाणा की तरफ भेजा गया। पुलिस टीम को तकनीकी सहायता से सूचना मिली कि वांछित आरोपी नरेश कुमार अवैध शराब लेकर गुजरात की तरफ जा रहा है। जिस पर नाकाबन्दी की कार्यवाही कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

टीम में थानाधिकारी रामेश्वर भाटी, हेड कांस्टेबल गोपालसिंह, कालुदान, कांस्टेबल चन्द्रप्रकाश, प्रकाश बुरडक, कपिल कुमार, महेश, धर्मपाल बुरडक, आरटी कांस्टेबल शेरसिंह, संदीप कुमार रहे। अन्य टीम में कांस्टेबल नारायणराम व 2. मुकेश कुमार डीएसटी टीम बालोतरा तथा तकनीकी सहायता टीम में कांस्टेबल किशनलाल तकनीकी सहायक साईबर सेल जालोर शामिल रहे।

बारिश से प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया

पोकरण, (नि.सं.)। पोकरण क्षेत्र मे भारी बारिश और अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का मंगलवार को लगातार दूसरे दिन जिला कलेक्टर प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी व पोकरण उपखण्ड अधिकारी ने भ्रमण कर विस्तृत जायजा लिया और प्रभावित क्षेत्रों में राहत पहुंचाने को युद्ध स्तर पर कार्य करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर सिंह पुलिस अधीक्षक चौधरी के साथ मंगलवार को सुबह जिले के भणियाणा उपखंड मुख्यालय पहुंचे। वहा उन्होंने अतिवृष्टि प्रभावित भणियाणा, फुलासर आदि इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजस्व, पंचायत और पुलिस विभागों को सयुक्त रूप से युद्ध स्तर पर कार्य करने की हिदायत दी और पानी की निकासी समेत राहत कार्य त्वरित गति से अंजाम देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावित लोगो को मुआवजे के लिए अविलंब प्रस्ताव भेजने को कहा।

जिला कलेक्टर सिंह ने स्थानीय ग्राम पंचायतों को पानी निकासी के लिए जेसीबी, टैक्टर, मोटर पंप आदि आवश्यकता के अनुसार लगाने को कहा। साथ ही सार्वजनिक निर्माण विभाग को क्षितठास्तों सडको की मरमत करने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने अतिवृष्टि से प्रभावित पानी बिजली की क्षितठास्त लाइनों के कार्यों को भी युद्ध स्तर पर पूर्ण कर आवश्यक सेवाएं तुरंत बहाल करने के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी, उपखंड अधिकारी प्रभजोत सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। वही पोकरण शहर सहित आसपास के क्षेत्र में बरसात लगभग 200 एम एम होने पर विधुत वितरण निगम कार्यालय परिसर एवं शहर के मुख्य जल स्त्रोत बंदोलाई तालाब, सालम सागर तालाब, रामदेवरसर तालाबो में बरसाती पानी कि अच्छी आवक होने से तालाब व नाडीया लबालब भर गये।

वही रेलवे स्टेशन जाने वाले मार्ग पर बना पुलिया ढहा जिससे शहर व रेलवे स्टेशन जाने का रास्ता प्रशासन को बन्द करना पडा।वही रामदेवरा व सालम सागर तालाब का पहली बरसात में घाट टूट गया। वही लोहारकी गांव में आकाशीय बिजली गिरने से 137भेडे मर गई। वही जोधपुर सड़क व भणियाणा रोड घुटने से आवागमन बाधित हुआ।

गड्ढों में पानी से वाहन चालक व राहगीर परेशान

धोरीमना, (नि.सं.)। धोरीमना क्षेत्र के सुबह से लेकर शाम तक मूसलधार अच्छी बारिश हुई किसानों के चेहरे पर खुशियां देखी गई।

धोरीमना क्षेत्र के किसानों से मिल रही जानकारी के अनुसार पूरा क्षेत्र में अच्छी बारिश हुई है। कोई माल जनहानि ऐसा कुछ नहीं हुई। किसानों ने बताया कि अच्छे जमाने का संकेत मिल रहा है। अच्छी बारिश से अरंडी गवार मोठ मूंग बाजार अच्छी पैदावार होने की संभावना है । किसानों ने कहा कि कुएं के जल स्तर भी बढ़ेंगे । जहां पानी पीने के लिए नहीं है । वहां घरों बने टांकों के अंदर पानी भी इकट्ठे हो गए पानी की समस्या का भी समाधान हुआ। धोरीमना मुख्य चौराहे पर चारों तरफ पानी पानी हो गया। सड़क गड्ढों में तब्दील है। आमजन व राहगीर परेशान हैं।

चोरों ने प्रवासियों के घरों को बनाया निशाना

रेवदर, (नि.सं.)। सोमवार रात को रेवदर के सेलवाड़ा और भटाणा गांव में चोरों ने कई घरों को निशाना बनाया। इनमें से अधिकतर घर प्रवासियों के हैं, जो अपने व्यवसाय को लेकर अन्य राज्यों में रहते हैं। रेवदर थाना क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह में निम्बज में 4 घरों, वड़वज में एक मंदिर, रेवदर में एक घर, दादरला में दिनदहाड़े, धाण में चोरी की घटनाएं सामने आई है। वहीं सोमवार को एक साथ दो गांवों में आधा दर्जन से अधिक जगहों पर चोरी की वारदात हुई।

रेवदर थाने के हेड कॉन्स्टेबल रफीक मोहम्मद ने बताया कि सेलवाडा गांव में सोमवार रात को 5 घरों और एक पास ही के कमरे में सो रहे थे। वहीं अन्य घरों के लोग अपने व्यवसाय को लेकर अन्य राज्यों में रहते हैं। उनके आने पर चोरी किए हुए सामान की पुष्टि होगी। इधर, भटाणा में भी चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। मंडार एसएचओ रविंद्र पाल सिंह ने बताया कि भटाणा गांव में दो परिवारों के चार मकानों के ताले तोड़े गए हैं। एक घर के ऊपर की तरफ परिवार के अन्य लोग सो रहे थे, लोगों को कमरे के बाहर कुंडी से बंद करने के बाद चोरी की वारदात का प्रयास किया गया है। चोरी किए हुए सामान की पुष्टि मकान मालिक के वापस लौटने के बाद हो पाएगी।

प्रस्तावित न्यूक्लियर प्लांट का विरोध

उदयपुर, (कासं)। बांसवाड़ा जिले के छोटी सरवन इलाकें में प्रस्तावित न्यूक्लियर पावर प्लांट का सांसद राजकुमार रोत ने भी मंगलवार को संसद में विरोधक किया। भारत आदिवासी पार्टी बाप से नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि न्यूक्लियर प्लांट विनाशकारी योजना है। जिस स्थान पर प्लांट बनाया जा रहा ळैं वहां लोग खेती कर रहे है। वो किसान कहां जायेंगे। प्रशासन ने उनहें विस्तापित करने से पूर्व उनेकंव हां से हटाने का काम शुरू कर दिया। जिसका विरोधक हुआ और उस मामले में अभी तक 40 ठाामीणा न्यायिक अभिरक्षा में है। रोत ने कहा कि यह परमाणु उर्जा संयंत्र परियोजना इस क्षैत्र में भविष्य में विश्नाशकारक साबित होगी। उन्होंने बताया कि जापान में वर्ष 2011 में भूकंप आया, तबाही मची जहां इसी तरह का संत्रंय स्थापित था। सोवियत संघ में 26 अप्रेल 1986 में भूकंप आया वहां लगे परमाणु संयंत्र से परेशानी हुई, 40 लोग मारे गए। रोत ने कहा कि इस परिजनों के लिए माही बांध से पानी लिया जायेगा और दूषित पानी भी वही छोड़ा जायेगा। जिससे क्षैत्र की खेती एवं लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पडेगा।

वृहद स्तर पर पौधारोपण होगा

बाड़मेर, (नि.स)। बाड़मेर जिले में हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत करीब दो लाख पौधे लगाए जाएंगे। जिला स्तरीय कार्यक्रम बांदरा ग्राम पंचायत में स्थित वन खंड एवं जिला मुख्यालय पर पुलिस लाइन में आयोजित होगा। जिला कलक्टर निशान्त जैन ने संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर जिला स्तरीय कार्यक्रम के लिए के लिए समुचित तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर निशान्त जैन ने कहा कि हरियालो राजस्थान-एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन, सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं की भागीदारी सुनिश्चित करवाते हुए अधिकाधिक पौधारोपण करवाया जाए। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, जन प्रतिनिधिगण, धर्म गुरू एवं सेना, बीएसएफ, वायुसेना, पुलिस के जवान, विभागीय अधिकारी एवं कार्मिक तथा आमजन शामिल होंगे।

पारस अरोड़ा की साहित्य साधना पर संगोष्ठी का आयोजन किया

जोधपुर, (कासं)। रचनाकार पारस अरोड़ा की साहित्य साधना पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने पारस अरोड़ा की काव्य साधना पर विस्तार से विचार व्यक्त किए।

समारोह की अध्यक्षता जेएनवीयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) के.एल. श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) मंगलाराम बिश्नोई थे। राजस्थानी विभागाध्यक्ष डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने एक दिवसीय राष्ट्रीय राजस्थानी संगोष्ठी के विषय की विवेचना करते हुए इसे बहुत ही महत्वपूर्ण बताया।

संगोष्ठी के प्रारम्भ में अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया गया है। संगोष्ठी संयोजक डॉ. गजेसिंह राजपुरोहित ने स्वागत उद्बोधन दिया।

प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. लक्ष्मीकांत व्यास की अध्यक्षता में डॉ.मदनसिंह राठौड़, डॉ. दिनेश चारण, डॉ. रामरतन लटियाल, डॉ. इन्द्रदान चारण ने विविध विषयों पर आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। संयोजन डॉ कप्तान बोरावड़ ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ. सुरेश सालवी की अध्यक्षता में डॉ. धनंजया अमरावत, श्रीमती संतोष चैधरी, डॉ. मदन गोपाल लढ्ढा, श्री देवीलाल महिया ने विविध विषयों पर आलोचनात्मक शोध पत्र प्रस्तुत किये। संयोजन डॉ. सवाईसिंह महिया ने किया।

समापन समारोह: संगोष्ठी के समापन समारोह में राजस्थानी के प्रतिष्ठित विद्वान प्रोफेसर (डॉ.) कल्याणसिंह शेखावत ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया।

संगोष्ठी में प्रोफेसर डॉ. अर्जुनदेव चारण, डॉ. देवकरण, डॉ. हेमलता जोशी, डॉ. दिनेश राठी, माधव राठौड़, महेन्द्रसिंह छायण,रामस्वरूप फिडौदा, तरनिजा मोहन राठौड, नीतू राजपुरोहित, श्रीमती हेमा अरोड़ा, डॉ.कालू खां, जगदीश मेघवाल, रविन्द्र चैधरी, श्रवण भादू, निकिता चंदेल, माधुसिंह भाटी, अभि, सोहनलाल, शान्तिलाल सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, राजस्थानी रचनाकार, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

मालिक पर केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती सालोड़ी गांव में एक खेत की तारबंदी में प्रवाहित हो रहे करंट की चपेट में आने से भैंसे की मौत हो गई। खेत मालिक पर तारबंदी में करंट प्रवाहित किए जाने का आरोप लगाते हुए भैंसा मालिक ने केस दर्ज कराया है। राजीव गांधी नगर पुलिस इसकी जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि सालोड़ी निवासी अचलाराम पुत्र चूनाराम माली ने रिपोर्ट दी कि 27 जुलाई को दिन के समय खुशालराम निवासी सालोड़ी ने उसके खेत के चारों और करंट का तार लगाया जिसके कारण सरकारी जमीन पर चर रहे उसके भैंसे की करंट से मौत हो गई। पुलिस ने मामले में अब जांच आरंभ की है।

11 हजार कावाड़िये करेंगे महादेव का जलाभिषेक

उदयपुर, (कासं)। शिव महोत्सव समिति की ओर से 9 अगस्त को उदयपुर से उभयेश्वर महादेव तक 21 किलोमीटर तक की निकाली जाने वाली 19वीं कावड यात्रा के तहत आयोजित सात दिवसीय समारोह के तहत मंगलवार को बजरंग सेना मेवाड की ओर से पांच हजार वर्ष पुराने गंगा के चैथे पाये गंगु कुंड पर भारत का पूजन कर भव्य संगीतमय गंगा महाआरती की गई गई जिसमें बड़ी संख्या में महिला एवं पुरूषों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संस्थापक कमलेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि महाआरती में महंत इंद्र देवदास ,महंत राधिका शरण शास्त्री, महंत नारायण दास ,महंत प्रवीण दास, महंत दयाराम, महंत श्याम किशोर बाबा , काली कल्याण धाम गांधीपति डॉ. हेमंत जोशी,सगस जी बावजी सेवक सुशील चित्तौड़ा, अनूप सिंह सांखला, डॉ. प्रदीप कुमावत, क्षेत्रीय पार्षद मनोहर चौधरी, रामकृपा शर्मा, दिनेश भट्ट , प्रेम सिंह शक्तावत , कार्यक्रम के संयोजक मुकेश सिंह रावत ,सुरेश चैहान, राजमल चैधरी, जितेंद्र जैन, सुनील कालरा ,ऋषभ सिंह गहलोत, सुरेश टहलरमानी, गोविंद सिंह चौहान, रविन्द्र पाल सिंह, दिनेश मकवाना, एडवोकेट निर्मल पंडित, विजय प्रकाश विप्लव, महेश भावसार, श्री राम स्तुति, चंद्रशेखर स्तोत्रम नितिन दसोरा द्वारा व व्यायाम शाला द्वारा किया गया।